

पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर राजस्थान की नई नीति

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, राजस्थान सरकार [नवीकरणीय ऊर्जा](#) को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर नई नीति लाने जा रही है।

मुख्य बंदि

- मुख्यमंत्री के अनुसार, नवीकरणीय स्रोतों को मजबूत करने के लिये उठाए जा रहे कदमों से राज्य जल्द ही ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएगा।
- सौर और पवन ऊर्जा पर निर्भर बजिली ग्रिडों को आपूर्ति के लिये 7,100 मेगावाट बजिली की क्षमता वाली इन परियोजनाओं की स्थापना के लिये राज्य में [आठ संभावित स्थानों](#) की पहचान की गई है।
 - पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर कार्य [राज्य की पवन और हाइड्रडि ऊर्जा नीति 2019](#) तथा [नवीकरणीय ऊर्जा नीति 2023](#) में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार किया गया है।
 - राज्य को **1,800 मेगावाट क्षमता की अपनी पहली स्वतंत्र पंप भंडारण परियोजना** शुरू करने की मंजूरी मलि गई है, जो **कुनो नदी बेसिन** के भीतर **बारां ज़िले के शाहबाद क्षेत्र** में स्थापति की जाएगी।

कुनो नदी

- यह [चंबल नदी](#) की मुख्य सहायक नदियों में से एक है।
- यह [दक्षिण से उत्तर की ओर कुनो राष्ट्रीय उद्यान](#) से होकर बहती है तथा अन्य छोटी नदियों और सहायक नदियों को मध्य प्रदेश-राजस्थान सीमा पर मुरैना में चंबल नदी में बहा देती है।
- यह कुनो राष्ट्रीय उद्यान के [वविधि वनस्पतियों और जीवों](#) के लिये पानी का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।
- यह 180 किलोमीटर लंबी है और मध्य प्रदेश में [वधिय परवत शृंखला](#) से निकलती है